6 तिरंगा

यह तिरंगा झंडा अपना, तीन रंग है इसकी शान।
ऊँचा उड़ता रहे गगन में, हमको है इस पर अभिमान।
केसरिया रंग इसकी शोभा, वीरों का उत्साह बढ़ाता।
शांति–मार्ग पर बढ़ते रहना, श्वेत रंग सबको सिखलाता।
खुशहाली का रंग हरा है, मेहनत से खुशहाली आती।
चक्र प्रगति का प्रतीक है, गति ही मंजिल तक ले जाती।
देश का झंडा हमको प्यारा, न्योछावर हैं, इस पर प्राण।
इसकी रक्षा करें हमेशा, आजादी की यह है शान।

निर्देश : राष्ट्रीय ध्वज का महत्त्व समझाएँ। देश की आजादी की घटनाएँ सुनाएँ और वीरता, शांति, सद्भाव आदि मूल्यों के विकास का प्रयास करें।

शब्द–अर्थ

तिरंगा – तीन रंग का
उत्साह – उमंग
शान – मान–मर्यादा
श्वेत – सफेद
प्रतीक – रूप
प्रगति – आगे की ओर बढ़ना

1. पढ़ें और समझें

तिरंगा, झंडा, ऊँचा, उत्साह, चक्र, प्राण, न्योछावर, श्वेत, शांति–मार्ग, प्रगति

2. उचित शब्दों द्वारा रिक्त स्थान भरें

(उत्साह, शांति–मार्ग, रक्षा, गगन)

1. ऊँचा उड़ता रहे ..... में।
2. वीरों का ..... बढ़ाता।
3. ..... पर बढ़ते रहना।
4. इसकी ..... करें हमेशा।

3. उचित विकल्प पर सही (✓) का चिह्न लगाएँ

1. तिरंगे झंडे में कितने रंग होते हैं ?

(क) पाँच (ख) तीन

(ग) चार (घ) छः

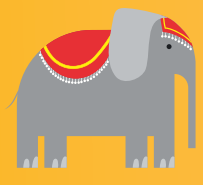

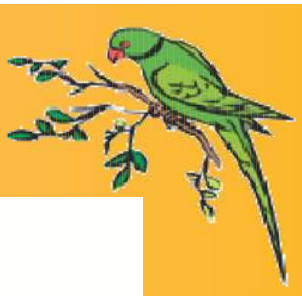

2. कविता के अनुसार हमको किस पर अभिमान है ?

(क) घर पर (ख) दोस्तों पर

(ग) तिरंगे पर (घ) विद्यालय पर

4. नीचे दी गई पंक्तियों का सही मिलान करें

(क) केसरिया रंग इसकी शोभा	गति ही मंजिल तक ले जाती।
(ख) चक्र प्रगति का प्रतीक है	आजादी की यह है शान।
(ग) इसकी रक्षा करें हमेशा	हमको है इस पर अभिमान।
(घ) ऊँचा उड़ता रहे गगन में	वीरों का उत्साह बढ़ाता।

5. पढ़ें और लिखें

(क) तिरंगा .... (ख) अभिमान ....

(ग) श्वेत .... (घ) न्योछावर ....

(ङ) उत्साह .... (च) झंडा ....

6. कविता के कुछ शब्द नीचे वर्ग पहेली में छिपे हैं, उन्हें ढूँढकर घेरा बनाएँ– जैसे तिरंगा

ति	प्र	ती	क	अ
रं	ग	ग	न	भि
गा	ति	झं	डा	मा
र	ग	ग	श	न
र	उ	त्	सा	ह

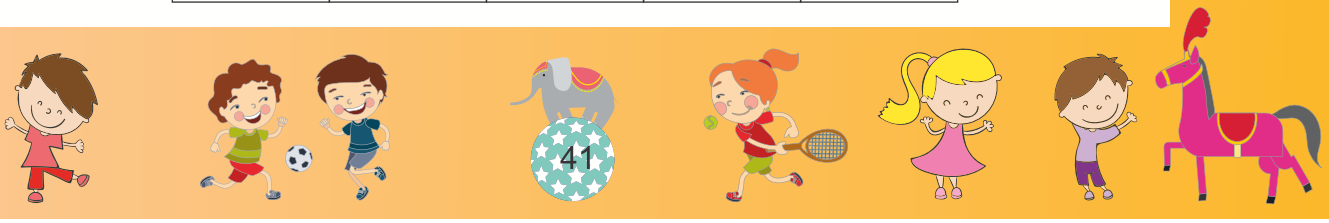

7. सोचें और बताएँ

(क) सफेद रंग क्या सिखलाता है ?

(ख) खुशहाली किससे आती है ?

(ग) हमें झंडे की रक्षा क्यों करनी चाहिए ?

8. पाठ में आए "र" के विभिन्न रूपों को जानिए

रक्षा, मर्यादा, चक्र, प्राण, प्रगति, प्रतीक, प्यारा

9. सुंदर लेख लिखें

तीन रंग का अपना झंडा।

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

निर्देश – शिक्षक/शिक्षिका "र" के विभिन्न रूपों की जानकारी बालकों को देवें।

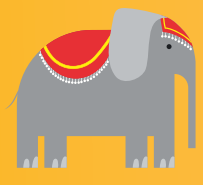

10. अपने अध्यापक की सहायता से दिए गए महापुरुषों के चित्रों को पहचानें तथा उनके नाम लिखें।

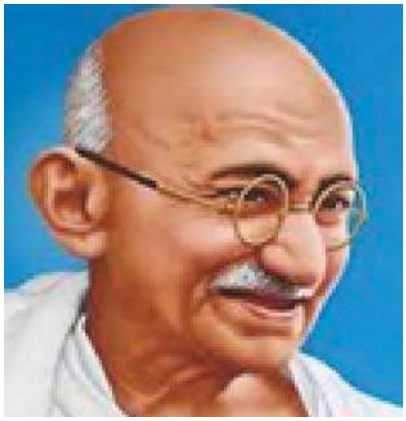

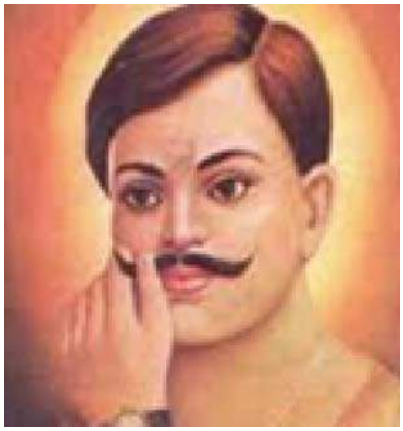

निर्देश – शिक्षक/शिक्षिका चित्रों में दिए गए महापुरुषों के चित्रों की पहचान कराएँ तथा बच्चों को इनके बारे में कुछ जानकारियाँ भी दें।

11. झंडे के चित्र पर पेंसिल घुमाएँ एवं रंग भरें।

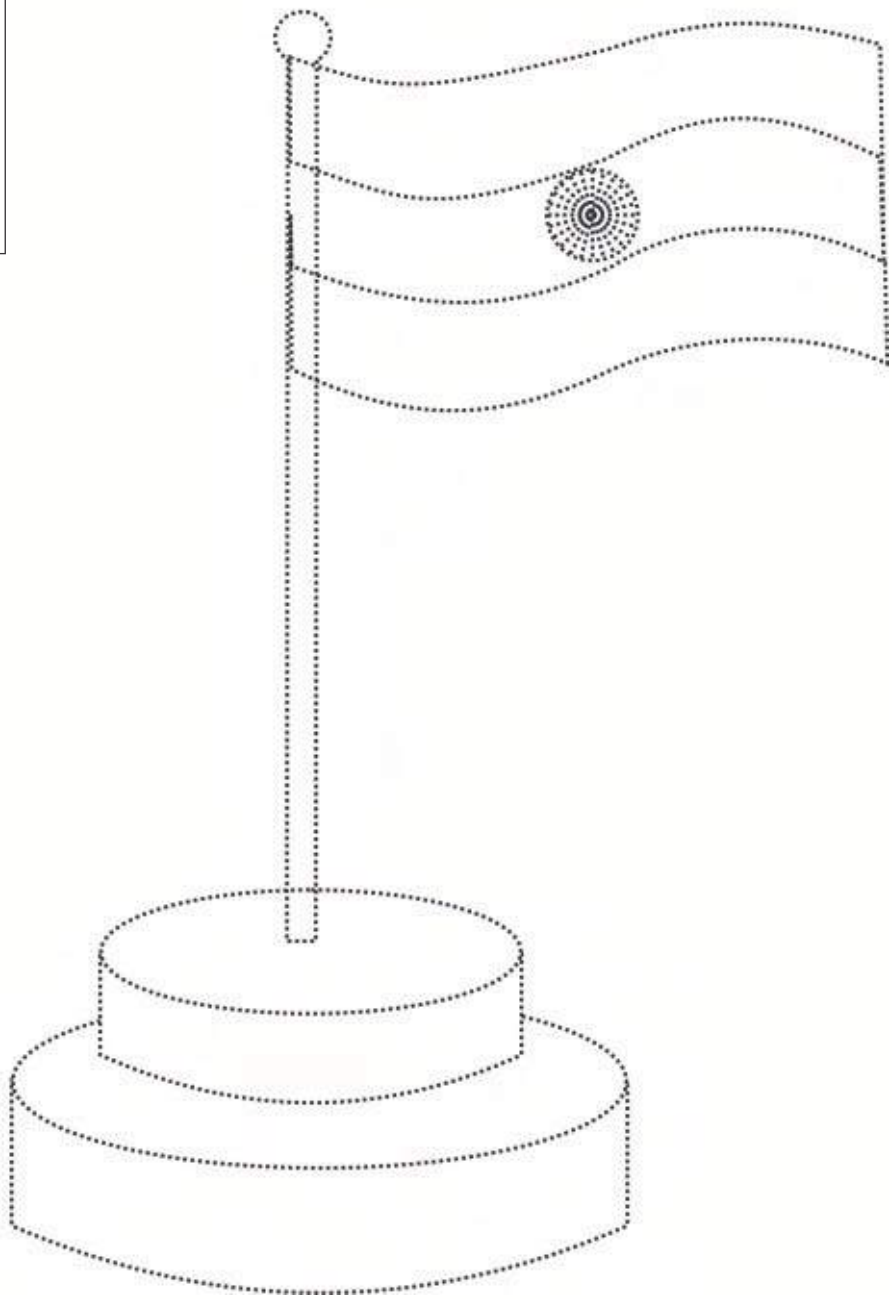

फिरकी बनाओ

सामग्री

1. कोई भी अनुपयोगी कागज/पुरानी पत्र–पत्रिकाओं के पृष्ठ 2. तिनका या कुल्फी की लकड़ी

चरण:

1. कागज की समान नाप की तीन पट्टियाँ लो।

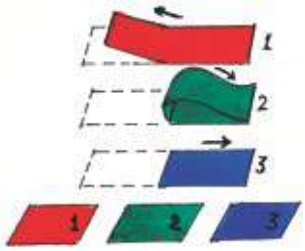

2. तीनों पट्टियों को चित्र में दिखाए अनुसार समान एवं बराबर भागों में मोड़ लो।

3. एक मुड़ी हुई पट्टी के ऊपर दूसरी मुड़ी हुई पट्टी चित्रानुसार जमाओ।

4. चित्र के अनुसार तीनों पट्टियों को गूँथो।

5. तीनों पट्टियों को एक हाथ में पकड़कर दूसरे हाथ से पट्टियों को खींचो।

6. तीनों पट्टियों को एक–एक बार फिर से ऊपर खींचकर एक कोना तैयार करो।

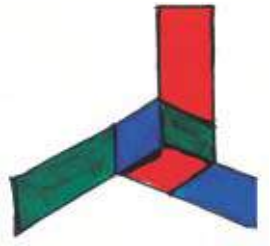

7. यह हो गई फिरकी तैयार।

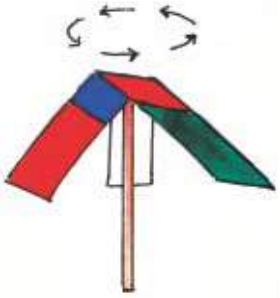

8. इस तैयार फिरकी को लकड़ी के तिनके या कुल्फी की लकड़ी पर टिकाओ। चित्र के अनुसार फिरकी को चलाओ।

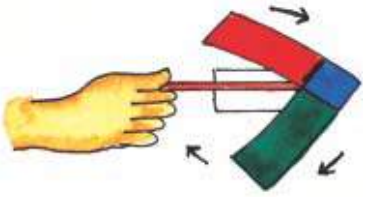

यह भी करें

बड़ों को प्रणाम करें।
रोज सवेरे प्रणाम करें।
हाथ जोड़कर प्रणाम करें।
सिर झुकाकर प्रणाम करें।

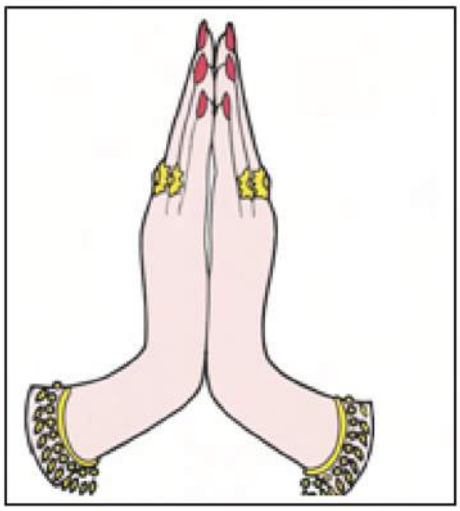

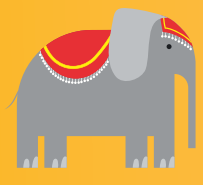

केवल पढ़ने के लिए

अबलक घोड़ी

अबलक घोड़ी लाल लगाम।
तीन लाख है इसके दाम।।
आभूषण भी कई कमाल।
छमछम नाचे सरपट चाल।।
जैसे हुआ ठंड का अंत।
आया झटपट यहाँ बसंत।।
उसके ऊपर एक सवार।
बैठे हर क्षण ऐनक धार।।
और फटाफट चढ़ा किशोर।
साथ घूमने चारों ओर।।
ऋषभ श्रवण हैं ज्ञानी मित्र।
यहाँ–वहाँ के लेते चित्र।।

निर्देश : इस कविता में हिंदी वर्णमाला के सभी स्वर, व्यंजन तथा प्रमुख संयुक्ताक्षर समेकित है। कविता बुलवाते समय समझाते जाएँ।